(d) As a result of completion of these Projects, the Central Electricity Authority expects that about 4000 MW of Power generation Capacity can be added during the VIII Five Year Plan.

Setting up of power projects by Private firms

210. SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN:
SHRI VITHALBHAI M. PATEL:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 40 private firms have expressed their keeness to set up power projects in the country;

(b) if so, what are the names of these private firms and what projects Government propose to handover to these firms;

(c) what is the estimated requirement of power in the country by the end of the Eighth Five Year Plan; and

(d) what steps are being taken by Government to achieve the target?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) Names of the Companies, foreign and domestic, which have expressed interest in setting up power projects in the private sector, indicating the capacity expected to be added by these projects and provisional estimates of investment therein are given in the Annexure (*See* Appendix CLXVIII Annexure No. 4)

(c) and (d) Energy requirement in the terminal year of 8th Plan is estimated to be 416274 MU and peak power requirement 73656 MW. The Planning Commission has made an allocation of Rs. 79589 crores for a capacity addition of 30537 MW during the 8th Plan period, which includes a capacity addition of 2810 MW in the private sector. At this level, in the terminal year of the 8th Plan, the energy shortage of 9 per cent and peak power shotrage of 21 per cent, which is the current level of shortage, would persist. Incentive have been offered in the new policy to encourage private investment to supplement the capacity addition programme.

वीरसिंहपुर में विद्युत संयंत्र

211. **श्री अजीत जोगी :**
चौधरी हरि सिंह :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में वीरसिंहपुर पाली के लिये मंजूर किये गये विद्युत संयंत्र की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ख) क्या इस परियोजना के लिये निधियां स्वीकृत की गई हैं ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैया नायडू) :

(क) संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना (टी.पी.पी.), जिला शहडोल में 210–210 मेगावाट की 2 यूनिटें अधिष्ठापित किये जाने की परिकल्पना की गई है जोकि निर्माणाधीन हैं । यूनिट–1 को 26 मार्च, 1993 को समकालिक किया गया था, यूनिट–2 को दिसम्बर, 1993 तक समकालिक किये जाने का कार्यक्रम है । संजय गांधी विस्तार टी.पी.पी. में 210–210 मेगावाट की 2 यूनिटें अधिष्ठापित किये जाने की परिकल्पना की गई है ये भी निर्माणाधीन हैं । बायलरों तथा टी.जी. सैटों के लिये ए.बी.एल. और भेल को क्रमश: फरवरी, 89 तथा मार्च, 1989 में आर्डर दिये गये थे । मध्य प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड द्वारा निधियों की कमी की स्थिति का सामना किये जाने के कारण विस्तार परियोजना के बारे में स्थल पर कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई है ।

(ख) और (ग) विगत के तीन वर्षों के दौरान संजय गांधी टी.पी.पी.और संजय गांधी विस्तार टी.पी.पी. के लिये